सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका अनुपालन कीजिए :

(i) *इस प्रश्न-पत्र में प्रश्नों की संख्या 14 है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*

(ii) *इस प्रश्न-पत्र में दो खंड हैं – खंड-'अ' और 'ब'। खण्ड-'अ' में 40 बहुविकल्पी/वस्तुपरक उपप्रश्न पूछे गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए सभी 40 उपप्रश्नों के उत्तर लिखिए।*

(iii) *खण्ड-'ब' में 8 वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।*

(iv) *प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए दीजिए।*

(v) *यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए।*

खंड – अ

(बहुविकल्पी/वस्तुपरक प्रश्न)

निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : $8 \times 1 = 8$

संशय –
इस भाव को मिटा दो
रोशनी जल उठेगी
तुममें निर्भय।
पीठ पर रखा छुरा
लगेगा प्रोत्साहन का स्पर्श

(i) पद्यांश का मुख्य भाव क्या है ?
- A संशय की स्थिति में आगे की राह नहीं मिलेगी।
- B संशय रहित होने पर ही आगे बढ़ने की राह निकलेगी।
- C संदेह की स्थिति में विनाश की ओर कदम बढ़ेंगे।
- D पौरुष का आश्रय कभी निरर्थक नहीं जाएगा।

(ii) संदेह की स्थिति नहीं रहने पर –
- (A) व्यक्ति भयाक्रांत रहता है।
- (B) उसके सामने चतुर्दिक अंधकार होता है।
- (C) प्रकाश की किरणें जल उठती हैं।
- (D) व्यक्ति दुखी रहता है।

(iii) 'प्रोत्साहन का स्पर्श' का अर्थ है –
- (A) उत्साहहीन हो जाने की शंका
- (B) मन में उदासीनता का भाव
- (C) आगे बढ़ने हेतु प्रेरणा
- (D) बाधाओं से पूर्ण मार्ग का अवलोकन

(iv) कवि ने किस हाथ में अपना हाथ रखने को कहा है ?
- (A) बाएँ हाथ पर दाहिना हाथ
- (B) प्रेरणा देने वाले के हाथ में
- (C) अनुत्साहित करने वाले के हाथ में
- (D) पीछे की ओर खींचने वाले के हाथ में

(v) दो आँखों की दृष्टि मिलने पर क्या स्थिति होगी ?
- (A) समन्वित शक्ति से प्रकाश की तीव्रता
- (B) एक आँख की दृष्टि में हीनता

(C) कठिनाइयों और परेशानियों के दलदल से ।

(D) अंतरिक्ष में चमकने वाले प्रकाश पुंजों से ।

(vii) गद्यांश के संदर्भ में बिना नमक-मिर्च लगाए बोलने से आशय है –

(A) जैसे का तैसा न कहना ।

(B) बढ़ा-चढ़ाकर वर्णन करना ।

(C) सहज-सरल भाषा में वर्णन करना ।

(D) स्पष्ट शब्दों में सत्य का उल्लेख करना ।

(viii) सत्यपालन की दीर्घकालीन प्रक्रिया से अमित फल प्राप्त होते हैं । अतः –

(A) जन्म से ही सत्य बोलने का अभ्यास करना चाहिए ।

(B) युवावस्था में सत्य बोलने का अभ्यास करना चाहिए ।

(C) बचपन से ही सत्य बोलने का अभ्यास करना चाहिए ।

(D) प्रौढ़ावस्था से ही सत्य बोलने का अभ्यास करना चाहिए ।

(ix) गद्यांश में दशरथ, हरिश्चंद्र और महात्मा गांधी का उदाहरण दिया गया है –

(A) सत्य का परिचय देने के लिए ।

(B) झूठ के दुष्परिणाम बताने के लिए ।

(C) सत्य की महिमा बताने के लिए ।

(D) सत्य के मार्ग का अनुसरण करने के लिए ।

(x) निम्नलिखित कथन तथा कारण पर विचार कीजिए तथा उचित विकल्प का चयन कर लिखिए :

कथन : झूठ बोलने वाले की उन्नति के सभी द्वार बंद हो जाते हैं ।

कारण : लोगों का उन पर से विश्वास उठने के कारण सर्वत्र उनकी उपेक्षा होती है ।

(A) कथन तथा कारण दोनों गलत हैं ।

(B) कारण सही है, किंतु कथन गलत है ।

(C) कथन तथा कारण दोनों सही हैं, किंतु कारण कथन की गलत व्याख्या करता है ।

(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है ।

(अभिव्यक्ति और माध्यम पर आधारित प्रश्न)

3. निम्नलिखित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 5 × 1

(i) जनसंचार माध्यम आपस में एक दूसरे के

(A) प्रतिद्वंद्वी हैं । (B) पूरक और सहयोगी हैं ।

(C) विरोधी हैं । (D) विपरीत हैं ।

(ii) इण्टरनेट पत्रकारिता का लाभ गरीबों/अनपढ़ों को नहीं मिल सकता –

(A) अश्लीलता फैलाने के कारण (B) धन और कौशल की जरूरत के कारण

(C) धन की जरूरत के कारण (D) मशीनी जरूरत के कारण

(iii) उलटा पिरामिड शैली के समाचार लेखन की मानक शैली बनने का कारण है –

(A) लेखन और संपादन की सुविधा होना ।

(B) तकनीकी दृष्टि से सुलभ होना ।

(C) सस्ती, सुलभ और नियमित सेवा होना ।

(D) ख़बरों को आकर्षक रूप में प्रस्तुत करना ।

(iv) किसी ख़बर का घटना स्थल से प्रत्यक्ष प्रसारण कहलाता है –

(A) ब्रेकिंग न्यूज (B) लाइव

(C) फोन इन (D) एंकर बाइट

(v) मोहित के पास न केवल विषय विशेष का ज्ञान है बल्कि उनमें संवेदनशीलता, कूटनीति, धैर्य

4 निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : $5 \times 1 =$

तोड़ो तोड़ो तोड़ो
ये ऊसर बंजर तोड़ो
ये चरती परती तोड़ों
सब खेत बनाकर छोड़ो
मिट्टी में रस होगा ही जब वह पोसेगी बीज को
हम इसको क्या कर डालें इस अपने मन की खीज को
गोड़ो गोड़ो गोड़ो

(i) काव्यांश में 'चरती परती' शब्द का क्या अर्थ है ?
(A) उपजाऊ ज़मीन
(B) ऊसर ज़मीन
(C) चरागाह के लिए छोड़ी गई ज़मीन
(D) मकान बनाने वाली ज़मीन

(ii) काव्यांश में मिट्टी के रस का क्या गुण बताया गया है ?
(A) अनाज के बीज को निगल जाना ।
(B) बीज को सहारा देना ।
(C) बीज को गला देना ।
(D) बीज का पोषण करना ।

(iii) 'मन की खीज' से कवि का क्या आशय है ?
(A) मन की ईर्ष्या
(B) मन की झुंझलाहट
(C) मन का अहंकार
(D) मन का आलस्य

5. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : $5 \times 1 = 5$

कुटज क्या केवल जी रहा है । वह दूसरे के दवार पर भीख माँगने नहीं जाता, कोई निकट आ गया तो भय के मारे अधमरा नहीं हो जाता, नीति और धर्म का उपदेश नहीं देता फिरता, अपनी उन्नति के लिए अफ़सरों का जूता नहीं चाटता फिरता, दूसरों को अवमानित करने के लिए ग्रहों की खुशामद नहीं करता । आत्मोन्नति हेतु नीलम नहीं धारण करता, अंगूठियों की लड़ी नहीं पहनता, दाँत नहीं निपोरता, बगलें नहीं झाँकता । जीता है और शान से जीता है, काहे वास्ते, किस उद्देश्य से ? कोई नहीं जानता । मगर कुछ बड़ी बात है । स्वार्थ के दायरे से बाहर की बात है । भीष्म पितामह की भाँति अवधूत की भाषा में कह रहा है 'चाहे सुख हो या दुःख, प्रिय हो या अप्रिय', जो मिल जाय उसे शान के साथ हृदय से बिलकुल अपराजित होकर, सोल्लास ग्रहण करो । हार मत मानो ।

(i) गद्यांश में लेखक ने उजागर किया है –

(A) कुटज की भिक्षावृत्ति को (B) कुटज के स्वाभिमान को

(C) कुटज के स्वार्थ को (D) कुटज की चाटुकारिता को

P.T.O.

29/5/32 Page 9

(ii) 'अवधूत' शब्द का अर्थ है –

(A) धूनी रमाने वाला (B) धुआँ पीने वाला

(C) विरक्त संन्यासी (D) सिद्ध महात्मा

(iii) 'दाँत निपोरना' मुहावरे का क्या अर्थ है ?

(A) दाँत चमकाना (B) खुशामद करना

(C) दाँत गड़ाना (D) दाँत दिखाना

(iv) गद्यांश में भीष्म पितामह की तुलना किससे की गई है ?

(A) शान्तिदूत से (B) देवदूत से

(C) अवधूत से (D) मेघदूत से

(v) 'कुटज क्या केवल जी रहा है' – का आशय क्या है ?

(A) कुटज जैसे-तैसे अपना जीवनयापन कर रहा है ।

(B) कुटज इच्छा नहीं होते हुए भी विवश होकर जी रहा है ।

(C) कुटज दुःखी और हारे मन से जी रहा है ।

(D) कुटज शान से स्वाभिमानपूर्वक जी रहा है ।